तापमान
अधिकतम 26.0 डिग्री
न्यूनतम 15.0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 3 मार्च 2025

11 सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश के लिए पंचायत में अहम फैसले...

12 'श्याम बाबा को श्रृंगार मन भावे, खाटूवाले को दरबार मन भावे ...

DK Realestate
A name you can trust it.
DK Real Estate
लेकर आया है आपके लिए रेवाड़ी की प्राइम लोकेशन नया बस स्टैण्ड व मैट्रो स्टेशन के पास
प्लॉट ही प्लॉट
मात्र 16000/- से 20000/- प्रति वर्ग गज से शुरू
DK Yadav
(Real Estate Developer's)
9467141575
Website : www.dkrealestate.co.in Dinesh Kumar dkrealestaterewari DK Real Estate

खबर संक्षेप

ट्रेन में यात्री का हैंडबैग चोरी होने का केस दर्ज

रेवाड़ी। जीआरपी ने ट्रेन में यात्री का हैंडबैग चोरी होने का केस दर्ज किया है। जीआरपी दिल्ली कैंट को दर्ज शिकायत में दिल्ली की दुर्गा कॉलोनी मोनिका ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ श्रीमाधोपुर से दिल्ली कैंट जाने के लिए ट्रेन में बैठी थी। जब ट्रेन कनीना खास रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो उसका हैंडबैग चोरी हो गया। हैंडबैग में एक मोबाइल फोन और 3200 रुपये थे। दिल्ली कैंट जीआरपी से मिली जीरो एफआईआर के आधार पर जीआरपी ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो भाई घायल

बावल। तिहाड़ा मोड़ के पास कंपनी से बाइक पर घर जा रहे दो भाई अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। जींद के दनौदा कलां निवासी अमरपाल व उसका भाई एक कंपनी में नौकरी करते हैं। वह बावल में किराए के मकान में रह रहे हैं। बाइक से घर जाते समय किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। बावल थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी।

कंपनी के गेट के पास खड़ी बाइक चोरी

बावल। औद्योगिक एरिया में चोर एक कंपनी के गेट के पास खड़ी बाइक चंद मिनट में चोरी कर ले गए। राजस्थान के नगला मतवा निवासी विकास ने बताया कि वह नीमराना की कंपनी में कार्यरत है। कंपनी के काम से वह औद्योगिक एरिया की एक कंपनी में आया था। बाइक गेट के पास खड़ी करने के बाद वह कंपनी के अंदर चला गया। करीब 15 मिनट बाद जब वह बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। कुतुबपुर में चोर एक घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में यशपाल ने बताया कि वह एक पेट्रोल पंप पर कार्य करता है। पेट्रोल पंप से घर जाने के लिए वह अपने दोस्त की बाइक लेकर गया था। उसने रात को साढ़े 9 बजे बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर घर से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने दहेज के लिए मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की शिकायत पर दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग से समझौता कराने के प्रयास किए थे। बात सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने गत वर्ष 10 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने बालावास जमापुर निवासी विशाल को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

अवैध कॉलोनियों को जमींदोज करने की प्रक्रिया होगी तेज, निर्माण करने वालों को भुगतना होगा खामियाजा

पांच दर्जन से अधिक कॉलोनियां कटी, नोटिसों को किया नजरअंदाज, अब जेसीबी चलाने की तैयारी

नरेन्द्र वत्स ▸▸ रेवाड़ी

प्रदेश सरकार की ओर से अवैध कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया लगभग 2 साल पहले पूरी करने के आदेश जारी किए थे। इसके बाद संबंधित कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

कई कॉलोनियों को नियमित कर दिया गया था, जबकि एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों की फाइलें अभी भी विचाराधीन हैं। इसके बाद प्रॉपर्टी डीलरों से लेकर कॉलोनाइजरों तक ने अवैध प्लॉटिंग का जो खेल खेला था, उसका खामियाजा प्लॉट खरीदकर निर्माण करने वाले लोगों को भुगतना पड़ रहा है। डीटीपी की ओर से जुलाई 2022 के बाद प्लॉटिंग व निर्माण करने वाले 60 से अधिक लोगों को नोटिस दिए हुए हैं, जिनके खिलाफ आने वाले दिनों में तोड़फोड़ की कार्रवाई तय मानी जा रही है। वर्षों पुरानी कॉलोनियों के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्व सीएम मनोहरलाल के कार्यकाल में इन कॉलोनियों को सशर्त नियमित करने के आदेश जारी किए गए थे। पंजीकृत कॉलोनियों और आरडब्ल्यूए के माध्यम से कॉलोनियों को रेगुलर करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। एक ओर जहां पुरानी कॉलोनियों को रेगुलर कराने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, तो दूसरी ओर कॉलोनाइजरों और डीलरों ने लोगों को गुमराह करते हुए प्लॉटिंग का खेल तेजी से शुरू कर दिया था

नई कॉलोनियों के जल्द नियमित होने के आश्वासन पर सैकड़ों की संख्या में प्लॉट काटकर बेच दिए गए। इन प्लॉटों पर मकान निर्माण का कार्य भी हाथों-हाथ शुरू करा दिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डीटीपी विभाग के अधिकारियों को अवैध प्लॉटिंग की पूरी जानकारी थी, परंतु जेब गर्म होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने इस मामले में पूरी तरह चुप्पी साधे रखी। अवैध प्लॉट काटने वाले लोगों को नोटिस तो दिए गए, परंतु सैटिंग होने के बाद उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब नए डीटीपी की ओर से जो कार्रवाई शुरू की गई है, उसके तहत इस सप्ताह कई निर्माण जेसीबी की चपेट में आ सकते हैं।

रेवाड़ी। नांगल मूंदी में एक बार टूटने के बाद दोबारा किया जा रहा निर्माण, खोरी बस स्टैंड के आसपास कंट्रोल्ड एरिया में किए गए निर्माण। फोटो :हरिभूमि

ट्रांसफर डीड के नाम सरकार को चूना

जानकार सूत्रों के अनुसार प्लॉटिंग करने वाले लोगों ने टुकड़ों में जमीन की रजिस्ट्री नहीं होने के कारण 'बीच का रास्ता' निकालते हुए ट्रांसफर डीड से सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचाया है। जिन लोगों को प्लॉट बेचे गए हैं, उनसे पूरी कीमत वसूल की गई है। प्लॉट नाम करने के नाम पर जमीन का तबादला ऑन रिकार्ड दिखाया गया है। ऐसे सैकड़ों केस हो चुके हैं। अगर मामले की उच्च स्तरीय जांच हो, तो इसमें तहसील के अधिकारियों व कर्मचारियों की गर्दन भी नप सकती है।

प्लॉट खरीदते ही शुरू करा दिए निर्माण

प्रॉपर्टी डीलरों और कॉलोनाइजरों ने कई स्थानों पर कृषि भूमि पर प्लॉट काटकर बेचने का धंधा तेजी से शुरू किया हुआ है। प्लॉट बेचने के बाद जल्द निर्माण कराने को कहा जाता है। कई मकानों पर इस तरह का रंग-पेंट कराया जाता है, जिससे निर्माण कई साल पुराना नजर आता है। जिन स्थानों पर पूर्व में तोड़फोड़ की जा चुकी है, वहां भी डीटीपी विभाग के अधिकारियों की शह पर नए सिरे से निर्माण कराए जा चुके हैं। नांगलमूंदी और खोरी में इस समय भी निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इन दोनों जगहों पर पहले डीटीपी की जेसीबी निर्माण तोड़ चुकी है।

अवैध निर्माण नहीं होंगे बर्दाश्त

कंट्रोल्ड एरिया में वर्ष 2022 के बाद किए गए निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। जिन लोगों को पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे, उनके खिलाफ जल्द कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अवैध कॉलोनियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

-राजेंद्र टी शर्मा, डीटीपी।

इन इलाकों में हो रहे अवैध निर्माण

- नारनौल रोड पर खोरी के पास
- नारनौल रोड पर एम्स के पास
- धारूहेड़ा के मालाहेड़ा रोड पर
- डहीना रोड पर मनेठी के पास
- कोसली कस्बे में कनीना रोड पर
- बावल में सांझरपुर रोड के पास
- बावल में रूद्ध पुल के आसपास
- नांगलमूंदी में महेंद्रगढ़ रोड पर
- रोहतक एनएच-71 के आसपास
- पटौदी रोड पार नयागांव के पास
- रामगढ़ रोड पर सनसिटी के पास
- गढ़ी बोलनी रोड पर डवाना के पास

झांसे में आकर पछताने को मजबूर क्रेता

प्रॉपर्टी डीलरों के झांसे में आकर जल्द कॉलोनी नियमित होने की उम्मीद से निर्माण करा रहे लोगों को मकान टूटने के बाद दोहरे नुकसान का सामना करना पड़ता है। प्लॉटों की बिक्री का कार्य पूरा होने के बाद प्रापर्टी डीलर पिक्चर से गायब हो जाते हैं। प्लॉट खरीकर मकान बनाने वाले लोग जेसीबी चलते ही बर्बादी का मंजर देखने को मजबूर हो जाते हैं। कोसली के पास पूर्व मंत्री की कॉलोनी पर डीटीपी की जेसीबी चल चुकी है, लेकिन एक केंद्रीय मंत्री के समर्थकों की कॉलोनियों पर अभी तक विभाग की कृपा बनी हुई है। अगले चरण में केंद्रीय मंत्री के चहेतों की कॉलोनियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

वेयरहाउस से चोरी हुए थे सरसों के बैग पुलिस ने शिकायत पर नहीं की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

प्राइवेट वेयरहाउस से सरसों के बैग चोरी की शिकायत के बाद भी केस दर्ज नहीं किए जाने पर डीजीपी को पत्र लिखा गया, जिसके आधार पर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है। डीजीपी को लिखे पत्र में पुलिस की चोरी के आरोपियों के साथ मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं, जिन्हें डीएसपी ने अपनी रिपोर्ट में सिरे से खारिज किया है। डीएसपी जांच में सरसों के चोरी हुए बैग की संख्या को लेकर भी संदेह जाहिर किया गया है।

▪ डीजीपी के आदेश पर दर्ज हुआ केस

सोनीपत की सिक्योरिटी एजेंसी के इंचार्ज परविंद्र कुमार ने डीजीपी पंचकूला को लिखे पत्र में बताया कि उनकी एजेंसी ने रेवाड़ी में सरकारी व प्राइवेट वेयरहाउस की सिक्योरिटी का ठेका लिया हुआ है। एमपी गोयल वेयरहाउस से सरसों के बैग चोरी होने की सूचना मिलने के बाद एजेंसी की ओर से अधिकारियों की टीम बनाकर जांच की गई थी। जांच में गोदाम से सरसों के 447 बैग चोरी होने की बात सामने आई थी। एजेंसी के प्रतिनिधि यज्ञदत्त ने 13 नवंबर 2024 को पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी। पत्र में आरोप लगाया गया कि सेक्टर-3 पुलिस चौकी को चोरी के आरोपियों के नाम दिए जाने के बाद भी पुलिस ने सांठगांठ करते हुए उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद एसपी को भी शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिस पर भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद एजेंसी की ओर से डीजीपी को शिकायत दर्ज कराई गई।

बैग की संख्या को लेकर उठ रहे सवाल

मामले की जांच डीएसपी सुरेंद्र श्योराण ने मामले की जांच की थी। जांच में बताया गया कि इस गोदाम की सिक्योरिटी में दो गार्ड रवि व आकाश लगाए हुए हैं। रवि ने गोदाम में चोरी होने की सूचना परविंद्र को दी थी। जांच में यह बात सामने आई है कि रवि का दोस्त दीपक गोदाम पर आया था। उसने वहा शराब का सेवन रवि के साथ किया था। इसके बाद सरसों के बैग एक पिकअप गाड़ी में बहादुरगढ़ ले जाए गए थे। जांच में 40 बैग चोरी होने की बात सामने आई, जबकि गोदाम से ज्यादा बैग कम होने की बात कही गई थी। फिलहाल पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही बैग की सही संख्या के बारे में पता चल सकेगा।

शादी समारोह में हुए विवाद के बाद चलाई गोली, फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार

रेवाड़ी। उत्तम नगर में शादी समारोह के दौरान खड़ी गाड़ियों को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद एक युवक ने फायरिंग कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। गोली चलने से आसपास के एरिया में हड़कंप मच गया। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद आरोपी व उसके दोस्तों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में नांगल तेजू निवासी बलवंत ने बताया कि वह उत्तम नगर में रह रहा है। उसके बेटे आशीष की शादी 2 मार्च को तय की हुई है। गत 28 फरवरी को आशीष के लगन का कार्यक्रम था। गली में काफी गाड़ियां खड़ी हुई थीं। पड़ोस में रहने वाला अरविंद अपनी गाड़ी लेकर गली में आया था। उसकी गाड़ी गली में खड़ी दूसरी गाड़ी से टच हो गई। इस बात को लेकर उसका अरविंद के साथ विवाद हो गया। बाद में दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा हो गया। बलवंत ने आरोप लगाया कि शनिवार सायं अरविंद अपने दो दोस्तों के साथ आ गया। उसने धमकी दी कि वह उसके बेटे आशीष को घोड़ी पर नहीं चढ़ने नहीं देगा। उससे बात करने का प्रयास किया तो उसने पिस्तौल निकालकर गोली चला दी। इससे आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। हवा में फायरिंग करने के बाद आरोपी अपने दोस्तों सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गोली का खाली खोल कब्जे में लेकर केस दर्ज कर लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी जांच के लिए मौके पर बुलाया गया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

देसी कट्टे व तीन कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी शेरसिंह। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

▪ आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी

रसियावास ईट भट्टे पर पुलिस ने एक श्रमिक को देसी पिस्तौल व तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि भट्टे पर बनी झुग्गियों में रहने वाले राजस्थान के नंगला डूंगर निवासी शेरसिंह के पास अवैध हथियार है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने झुग्गी पर जाकर रेड की। रेड के दौरान शेरसिंह से एक देसी पिस्तौल व तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी। बाद में उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

मौसम अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ रहने की संभावना, तापमान में वृद्धि से होगी ठंड की विदाई

मौसम साफ होने से किसानों को राहत, सरसों की कटाई का कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

बीते सप्ताह के अंत में जिले के कई इलाकों में हुई ओलावृष्टि के बाद मौसम साफ हो गया है। अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ रहने की उम्मीद है, जिससे किसानों को राहत मिली है। सरसों की कटाई का कार्य शुरू हो गया है। अभी भी कुछ इलाकों को छोड़कर अन्य में किसानों की फसल नुकसान से बची हुई है। मौसम साफ होने के बाद जल्द तापमान में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है, जो ठंड के मौसम की विदाई साबित होगा। रविवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा। तेज धूप खिलने के बाद दोपहर के समय ठंड का असर गायब हो गया। अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 26.0 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 15.0 डिग्री पर स्थिर रहा है। हवा में नमी का स्तर 55 प्रतिशत रहा, जबकि दिन में 11 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। रात का तापमान अभी भी सामान्य से अधिक चल रहा है। ओलावृष्टि जिले के कुछ भागों में नुकसान पहुंचा चुकी है। इसके बावजूद जिले के बड़े हिस्से में किसानों की फसल सुरक्षित बची हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ बना रह सकता है। तापमान में तेजी से वृद्धि होना शुरू हो जाएगा, जिससे इस सप्ताह ठंड का असर काफी हद तक कम हो जाएगा। अभी सुबह और शाम के समय ही ठंड का अहसास हो रहा है। ओलावृष्टि के बाद ठंड जरूर बढ़ी है, परंतु इसका असर ज्यादा दिनों तक बरकरार नहीं रहेगा। तापमान में इस सप्ताह वृद्धि दर्ज होने की संभावना है।

रेवाड़ी। एक खेत में सरसों की कटाई करती महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

फसलों के लिए अनुकूल बना मौसम

जिले के कुछ भागों में ओलावृष्टि ने फसलों को नुकसान जरूर पहुंचाया है। जिन भागों में ओलावृष्टि नहीं हुई है, वहां मौसम ठंडा होने से फसलों को अच्छा फायदा होने का अनुमान है। मौसम में ठंड का असर गेहूं की फसल में अच्छा पकाव लाने में सहायक होगा। किसानों ने अगेती सरसों की कटाई शुरू कर दी है, जिससे अगले कुछ दिनों में मंडियों में सरसों की आवक शुरू हो जाएगी। तापमान में गिरावट गेहूं की अच्छी पैदावार में सहायक होगा। बढ़ते हुए तापमान से गेहूं की फसल पर दीमक का खतरा मंडरा रहा था।

श्याम नगर में बाबा देवता के जागरण का आयोजन 10 को

नाहड़। खंड नाहड़ के गांव श्यामनगर में ग्राम वासियों एवं कमेटी के सहयोग से बाबा देवता का 18वां जागरण 10 मार्च को व भंडारा 11 मार्च को आयोजित किया जाएगा। बाबा देवता कमेटी श्याम नगर के प्रधान बिजेंद्र बिजवा, उप प्रधान प्रवीण, खजांची दीपचंद तथा समाजसेवी जयसिंह ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अनिल यादव विधायक कोसली शिरकत करेंगे, विशिष्ट अतिथि राकेश लांबा, अरमान लांबा, नवीन कड़ौधा व जगमोहन कड़ौधा रहेंगे। 10 मार्च को प्रातः 9 बजे मंदिर के पुजारी पंडित महीप सीताराम की ओर से हवन किया जाएगा। रात्रि में निरोत्तम भगवत एंड पार्टी की ओर से जागरण किया जाएगा।

आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज रात नहीं सोएगी सलौनी

पतिदेव बच्चों सहित भानजे की शादी में भात लेकर गये हैं। घर में रमा अकेली है। शाम से ही दो-तीन पड़ोसनें बारी-बारी से आकर रात में अकेले न सोने की ताकीद करती हुई खुद या किसी बालक को उसके पास सुलाने का आग्रह कर गयी हैं। मगर वह हरेक को यही उत्तर देती - "अकेली कहां, सलौनी और उसके बच्चे हैं ना।"उसके उत्तर पर पड़ोसनें मुस्कुराती नजरों से उसे देखती हुई उचटती सी निगाह सलौनी पर डालकर हंसती हुई चली जाती। उनकी हंसी में हास्य और व्यंग्य दोनों का पुट शामिल होता, लेकिन रमा जानकर भी अनजान बन अपने काम में लग जाती। 'लोगों की आदत है।' मन ही मन यही दोहराती हुई।

शाम ढल चुकी थी। आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया। वह चुपचाप बैठी रही। रमा ने उसे बार-बार कहा, इशारे किये मगर सलौनी टस से मस न हुई।

फिर रमा ने रोटी उसके बिल्कुल सामने सरकायी लेकिन सलौनी पर अब भी कोई असर नहीं हुआ। हां, इस बीच पिलूरे रोटी खाकर गली का चक्कर लगाने चले गये। लेकिन सलौनी वहीं गर्दन मोड़कर पेट में मुंह दिये पड़ी रही। 'मूक कह भी तो नहीं सकती कि रोटी क्यों नहीं खा रही, काश! इसके जुबान होती?' सोचती हुई रमा ने सुबह की रखी रोटी बोहिये से उठायी और थोड़ी सी मलाई उस पर रखकर खाने लगी। इतने में क्या देखती है कि सलौनी के शरीर में हरकत हुई और वह इत्मिनान से रोटी खाने लगी। रमा का जी भर आया, इतना प्यार, इतनी परवाह तो इन्सान भी इन्सान के प्रति न रखे। घर के काम से निपटी तो सलौनी और उसके बच्चे गली की घुमाई कर आ चुके थे। रमा ने बाहरी दरवाजे पर ताला लगाया, इसके बाद आंगन में 'फर्राटा' लगाकर अपनी चारपाई बिछाई तथा दूसरी सलौनी और उसके बच्चों के लिये लगा दी।

सलौनी जैसे इसी के इंतजार में थी। वह उचककर खाट पर जा चढ़ी, उसके बच्चों ने भी उसका अनुसरण किया। सारे के सारे कूं, कूं करते हुए आराम से चारपाई पर लेट गये। रमा भी अपनी चारपाई पर लेटकर आसमान को ताकने लगी। उसे दिन में मिलने आयी शुभचिन्तक पड़ोसनों की व्यंग्य भरी नजरें याद आई, उसका मन विचलित हो गया, अकेलापन सताने लगा। मगर अगले ही पल सलौनी के साथ ने उसे अकेलेपन के अहसास से उबार लिया। मन सलौनी के प्रति ममता से भर उठा। उसने करवट ली और हाथ बढ़ाकर सलौनी को सहलाने लगी। सलौनी ने भी पूंछ हिलाकर उसकी ममता को स्वीकार किया। रमा सोचने लगी पड़ोसनों का क्या दोष!

पिछले दिनों जब मां आयी थी तो उन्हें भी सलौनी का पूरे घर में इस तरह बेरोक-टोक घूमना, सटकर बैठना, खाट पर सोना नागवार गुजरा था। तभी तो वे कह उठी थी-

"गाँव में आकर तेरा रहन-सहन भी बिल्कुल बेसुरा हो गया है। कोई कुत्तों को भी ऐसे..."

"माँ" माँ के बात पूरी करने से पहले ही वह मुस्कुराते हुए बोल पड़ी थी।

"....तुझे नहीं पता इनकी अहमियत, इनका प्यार इनका निश्छल व्यवहार मनुष्यों से भी अधिक अपनत्व भाव। पेट भरने को तो ये कहीं भी भर लें, इन्होंने कौनसा हम मानुसों की तरह जोड़-जुगाड़ करना है। ये बेचारे तो बिन झोली के मंगते हैं, जो किसी का प्यार भी उधार नहीं रखते। जरा से स्नेह का जो सिला इनसे मिलता है उसको कह पाना भी मेरे जैसी के बस की बात नहीं। पता है पिछले दिनों क्या हुआ- दिन ढले की बात है 'वे' आंगन में बैठे खाना खा रहे थे और मैं रसोई में रोटी बना रही थी। तभी सलौनी उस कमरे की ओर देख-देख कर जोर-जोर से भौंकने लगी।" रमा ने भैंस के साथ वाले कमरे की ओर इशारा किया जिसका उपयोग वे स्टोर की भांति करते हैं। "मैंने इसे चुप होने को कहा, मगर यह चुप नहीं हुई। इसे लगातार भौंकते देख मैंने इन्हें कहा कि 'देखियो, सलौनी उधर भैंस के साथ वाले कमरे की तरफ देख-देख कर क्यूं एक सांस भौंके जा रही है।" ये चिन्तित हो बोले- "जरूर कोई कीड़ा-कांटा होगा, वरना ये इस तरह...." और इन्होंने रोटी बीच में ही छोड़कर लाठी उठाकर वहां रखा सामान टटोला तो पता है वहां क्या मिला...?"

"क्या... ?" माँ उसे हैरानी से ताकने लगी। "वहाँ रखे उसे गत्ते के बड़े डिब्बे में चार हाथ लम्बी नागिन बैठी थी। कोई भी दुर्घटना घट सकती थी माँ। जंगल के जीव जंगल में तो स्वच्छंद घूम सकते हैं। घर में तो बच्चे, हम दोनों, भैंस, गाय या कोई आया-गया, किसी के भी साथ...।" कहते-कहते रमा सिहर गयी थी।

"...इन्होंने सरगोशी की 'देख ये बैठी।' मैंने दौड़कर पास-पड़ोस से लोगों को बुलाया। तब कहीं जाकर उसका अन्त हुआ। सलौनी न होती तो हमें क्या पता चलता कि हमारे घर में हमारी मौत छुपी है।" कहते हुए रमा ने पास बैठी सलौनी का चेहरा प्यार से हाथों में लेकर अपने चेहरे से सटा लिया। जैसे बहुत प्यार आने पर माँ अपनी संतान के लाड लड़ाती है। सलौनी भी इस इत्मिनान से पूंछ हिला रही थी, जैसे बौराया बच्चा मां की गोद में पसरकर पैर हिलाता है।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो। सलौनी की इस हरकत से वे भी भावविभोर हो उठी। रमा को याद आया जब काका (ससुर) का देहान्त हुआ तो सलौनी शवयात्रा में इन्सानों की तरह ही शामिल हुई, शमशान तक साथ गयी। दाह संस्कार के बाद जब सब घर लौट आये ये वहीं रुकी रही और सांझ ढले तभी घर लौटी, जब चिता की अग्नि बिल्कुल राख में बदल चुकी थी। पूरा दिन ये बेचारी भी हम लोगों के साथ-साथ बिना अन्न जल ग्रहण किये रही, अन्यथा जानवर तो कहीं भी जाकर मुंह मार आये।

अभी पिछले महीने की तो बात है, भाई की बीमारी पर उसे एक सप्ताह के लिये पीहर रुकना पड़ा। वापस आयी तो सलौनी उसकी आहट पाकर गेट पर ही पहुंच गयी और उसके सामान रखने से पहले ही पिछले पैरों पर खड़ी होकर अगले दोनों पैर उसकी छाती पर रखकर ऐसे मिली जैसे बहुत दिनों से बिछुड़ी बेटी मां से गले मिलने को तड़प रही हो।

ऐसे अवसर पर उसे लगता है 'काश। सलौनी भी अपने दिल की बात कह पाती।' यह तो रोज का ही नियम है कि वह जब भी घर से बाहर जाती है सलौनी साथ जाती है। आसपास जाना हो तो ठीक है, खेतों में जाती है तो पीछे-पीछे चली आ रही सलौनी को कहना पड़ता है- "सलौनी, तू घर जा मैं खेत पर जा रही हूँ।" सुनते ही सलौनी आज्ञाकारी बच्चे की भांति घर लौट आती है।

रमा ने सलौनी की ओर करवट ली तो सलौनी ने झट से सिर उठाकर देखा। जाहिर है सलौनी जाग रही थी। रमा जानती है आज सलौनी रात भर सोयेगी नहीं।

वह हाथ बढ़ाकर सलौनी को दुलारने लगी तो सलौनी ने भी 'कूं, कूं' कर उसके स्नेह को अत्यन्त प्रेमभाव से स्वीकार किया।

'तुम्हारी वफादारी, चौकसी और प्यार का प्रतिदान हमसे कहां सम्भव है सलौनी?'

यही सोचते हुए रमा को नींद आ गयी। मगर सलौनी को आज की रात नींद कहां, वह बिल्कुल नहीं सोयेगी, मालिक और उसके युवा बेटों की अनुपस्थिति में उसकी मालकिन निश्चिन्त होकर सो सके, इसीलिए।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो।

लघुकथा

डा. रमाकांता

इंसाफ

रलदू, ओ रलदू, बाहर निकल। दरवाजे से किसी दबंग ने रलदू को ललकारा।

रलदू जान गया कि चौधरी ने जगह खाली करवाने के लिए अपना गुर्गा भेजा है। वह डरता-डरता बाहर आया और उस व्यक्ति को पहचान कर बोला- 'मालिक, बस दो दिन की मोहलत दे दो। कल मेरी बेटी की शादी है। रिश्तेदार परसों चले जाएंगे, मैं जगह खाली कर दूंगा।'

'कान खोल कर सुन ले, परसों फिर आऊंगा। जगह खाली ना मिली तो यहीं तेरे परिवार की कब्र खोद दूंगा समझ गया!' वह धमकी देकर तमतमाता हुआ वहां से चला गया।

दिन छिपते ही बस्ती में अजीब सा शोर सुनाई देने लगा। रलदू का बेटा रशीद घर से बाहर गया और थोड़ी ही देर में तेज़ कदमों से घर में आकर कुछ चिल्लाते हुए उसने अपने अब्बा को आवाज दी- 'अब्बू कहाँ हो? खेल खत्म अब्बू।'

अब्बू ने घबरा कर दबी जुबान से पूछा- 'क्या हुआ?'

'अब्बू मालिक खल्लास,' रशीद ने हाथ के इशारे से समझाया।

'कैसे, और कब'? रलदू ने जिज्ञासावश पूछा।'

नामुराद को दिल का ऐसा दौरा पड़ा जमीन पर पड़ते ही चल बसा' -रशीद ने बताया।

रलदू की आंखों में आंसू आ गए। थोड़ी देर रुक कर बोला-'सुबह हमारी कब्र खुदवा रहा था। मालिक को क्या पता था कि रात होते-होते उस की ही कब्र के खोदने की तैयारी हो जाएगी।' कुछ सोच कर बोला 'बेटा उसके घर देर है पर अंधेर नहीं है।' रलदू ने ठंडी आह भरते हुए कहा।

'अब्बू अल्लाह इंसाफ करता है। मालिक को गरीबों की बद्दुआ लगी है।' रशीद ने आकाश की ओर हाथ फैला कर कहा। बाप-बेटे के मुख पर संतोष का भाव झलक रहा था।

कविता

राजश्री

नफ़रतों की आग में

नफ़रतों की आग में ये बस्तियाँ जल जाएंगी।
फ़ूल, भौंरे, शाख़, पौधे, तितलियाँ जल जाएंगी।

मज़हबी ये आंधियाँ यूं ही अगर चलती रहीं,
दब गईं जो राख़ में चिंगारियाँ जल जाएंगी।

कुर्सी की खातिर लगा कर आग जो हैं सेकते,
उनके हाथों की भी तो सब उंगलियाँ जल जाएंगी।

जो मुहब्बत के दरीचे खुलते दिल के दरमियां,
आपसी उस प्यार की सब खिड़कियाँ जल जाएंगी।

क्यूं बढ़ाते नाम पर मज़हब के ये रुसवाइयाँ ,
आदमी रह जाएगा परछाइयाँ जल जाएंगी।

क़त्ल करके अम्न का यूं एक दिन पछताओगे,
चाहतें मिट जाएंगी नजदीकियाँ जल जाएंगी।

फिर मुहब्बत के चरागों को यहां रौशन करो,
जो दिलों में बढ़ गईं वो तल्खियाँ जल जाएंगी।

कविता

कवि पंडित वीरेंद्र मधुर

नई पहल

तारे निकल रहे थे,
सपने उछल रहे थे।

धन की आग एसी,
पत्थर पिघल रहे थे।

आंदोलन में बैठे बैठे,
उनको भी खल रहे थे।

बीमारियों का नाटक,
वे मुखौटे बदल रहे थे।

झूठे फसल के दाने,
हथेली मसल रहे थे।

मधुर सोने वाले सिक्के,
तिजोरी में पल रहे थे।।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

मधुमास आ गया

सरसों के पीले फूल,
खेतों में दिखाई देते हैं।
लगता है मधुमास आ गया
राग-ए-वसंत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

ये मौसम हैं हरियाली का,
उमंग और श्रृंगार का,
प्रकृति अपने यौवन के साथ है,
सब संगीतमय होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सरसों, राई और गेहूं के खेत
मन को लुभाने लगते हैं
देखकर फसलों को किसान
गद-गद होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

जाती हुई सर्दियाँ, बड़े होते दिन
गुन गुनी धूप तेज होती है
अम्बर में उड़ते हुए
पीले पतंग दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

देखकर खो जाते हैं
कुदरत के शबाब में सब
मुझे चारों ओर
गुल चाँदनी के फूल दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सुहाना मौसम, मंद सुरभित हवा
कोयल की कुक सुनाई देती है
मत वाला माहौल, मोहनी खूशबू
फाल्गुन के मदमस्त गीत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

आज के आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति पर डा. कंवल नयन कपूर का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी के साहित्य और संस्कृति के प्रति कम होती रुचि सामाजिक दृष्टि से चिंताजनक है, जिसका समाज पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए साहित्यकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कलम चलाना आवश्यक है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और संस्कृति से मिलती है समाज को नई दिशा: डा. कंवल नयन

साहित्य और संस्कृति में सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बेबाक लेखन करने के मकसद से साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साधना करके समाज में व्याप्त विसंगतियों को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शुमार वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर अपने रचना संसार में साहित्य के साथ सांसकृतिक क्षेत्र में भी अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। उन्होंने साहित्यिक कृति के शोध से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की। अपने साहित्यिक और सांस्कृति क्षेत्र के सफर को लेकर वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें समाज साहित्य और संस्कृति से समाज को नई दिशा देना संभव है। साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर का जन्म 9 अगस्त 1944 को रावल पिंडी (पश्चिमी पाकिस्तान) के गांव जंड में नाथूराम व मीराबाई के घर में हुआ। भारत विभाजन के दौरान हिंसाओं की त्रासदी की कहानियों की गूंज में उनका बचपन बीता और अमृतसर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र के विस्थापित कैम्पों ने उनके शिशु-मन को ऐसे छुआ कि अन्तर्मुखता, अकेलापन और एकान्त से स्थायी मित्रता हो गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार 1949 में दिल्ली स्थानांतरित हो गया था, जहां उनके परिवार को स्थायी निवास मिला। दिल्ली में उन्होंने आई.ए.आर.आई. पूसा के सरकारी स्कूल से हायर सैकेण्डरी तक की शिक्षा ग्रहण की, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज देवनगर और इवनिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडिज, दिल्ली विश्व विद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की, लेकिन परिवार में आर्थिक अभाव निरंतर चलती रही। उन्होंने आगे की शिक्षा छोड़ यमुनानगर (हरियाणा) के एम.एल.एन. महाविद्यालय में प्राध्यापन कार्य आरंभ किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 'नई कहानी' विषय में शोध स्वरूप पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की। अगस्त 2004 में इसी महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति हुई। परिवारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल ने उनमें साहित्यिक संस्कारों का बीजारोपण किया। जबकि घर में माता भगवान कृष्ण की भक्त होने के कारण भजन और गीत गुनगुनाती रहती थी, तो वहीं उनके बड़े भाई उन दिनों भजन और देवी की भेंटे लिखकर गाते थे। मसलन साहित्यिक रुझान उनका अपने घर परिवार से ही हुआ और वह भी बचपन से ही तुकबंदी करने लगे थे। उनका साहित्य एवं चित्र कला के प्रति शुरू से ही विशेष झुकाव रहा है। इसी कारण वह स्कूल-कॉलेज में मंचित कार्यक्रमों में गायन, नाटक आदि में निरन्तर प्रतिभागिता करते रहे। इनकी कविताएं-लेख आदि स्कूल कॉलेज पत्रिकाओं के अलावा बड़ी पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं छपती रही। बकौल डा. कमल नयन, वह अपने आप को कवि और नाटककार मानते हैं, यद्यपि मूर्तिकला, स्थापत्य कला, पेंटिंग व क्ले माडलिंग, इंटीरियर डेकोरेशन जैसी विधाओं में भी उन्होंने काम किया है। सन् 1965 से 1967 तक संचेतन कहानी की ध्वज वाहक पत्रिका 'संचेतना' से सहायक सम्पादक के रूप में काम किया और दिल्ली से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'जाह्नवी' में उनका किशोर उपन्यास 'भारत सम्राट' धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। 1976 में पहला कविता संग्रह और 1978 में पहला 'लघु नाटक' संग्रह प्रकाशित हुआ। खासबात है कि इसी दौरान नाट्य मंचन, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, स्थापत्य कला आदि में भी उन्होंने बहुत काम किया गया, जिसमें मंच संचालन, संगीत आदि में उनकी विशेष रुचि रही। नाटक, कहानी, कविता, समीक्षा, निबन्ध लेखन में निरन्तर प्रवृत रहे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित छोटे-बड़े नाटकों के चार सौ से अधिक मंचन हो चुके हैं, जिनमें पंजाबी, उर्दू आदि का अनुवादित रूप भी शामिल है। उनकी लम्बी कविता 'शिशु होकर' एवं 'धन्यवाद कान्हा' का मंचन साहित्य-जगत में विशेष चर्चित विषय रहा है। उनका कहना है कि यह सत्य है कि हर रचनाकार अपने रचनाकर्म में आजीवन संलग्न रहते हुए भी अपनी श्रेष्ठ रचना की प्रतीक्षा में ही प्रस्थान पा जाता है। लेकिन इस सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बढ़ते बाजारीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. कंवल नयन कपूर की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से नाटकः यात्रा और यात्रा, कथा लंका दहन की, कथा लंका दहन की, जल घर, रक्त जीवी, आओ मेरे साथ,पंछी तीर्थम, शव पूजा, प्रकृति पर्व और छाया पुरुष जैसी कृतियां सुर्खियों में हैं। जबकि उपन्यासः भारत सम्राट, ठहरी हुई नदी, कविता संग्रहः बौणियां किरणां और उदास गुलमोहर, एक समन्दर मेरे अन्दर, किस्सा कमली दा,मूर्ख होने का सुख, शब्दों के पार, अजब कालखंड, संपत्ति और गीत-अगीत प्रकाशित हुई है।

डा. कंवल नयन कपूर

पुरस्कार व सम्मान

डा. कंवल नयन कपूर को उनकी कृति 'जल घर' के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी का सम्मान भी मिला है। वहीं उन्हें राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं साल 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भी सम्मान से अलंकृत किया। हरियाणा के भाषा विभाग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इंडियन ऑर्टस चंडीगढ़ तथा अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. कंवल नयन कपूर
जन्मतिथि : 9 अगस्त 1944
जन्म स्थान : रावलपिंडी (पश्चिम पाकिस्तान)
शिक्षा : बी.ए (ऑनर्स व संस्कृत), एमए(हिन्दी), पीएच.डी.
संप्रति : सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, एमएलएन महाविद्यालय यमुनानगर, लेखक, साहित्यकार

नेतृत्व कुशलता दिखाती 'महिला ग्राम पंचायत'

पुस्तक : महिला ग्राम पंचायत
लेखक : मधुकांत
मूल्य : 40 रुपये
प्रकाशक : नेशनल बुक ट्रस्ट

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

महिला ग्राम पंचायत मधुकांत का महिला केंद्रित नाटक है। इस नाटक के माध्यम से लेखक ने यह दिखाया है कि महिलाएं भी सही विजन, नीतियो और योजनाओं के जरिये गाँव के विकास के साथ साथ समान में सुरक्षित माहौल बना सकती है। गाँव की सत्ता संभालने के पहले दिन ही क्या-क्या सुविधाएं दी जानी हैं और उसके लिए क्या कदम उठाए जाने है, इस तैयारी के साथ महिला सरपंच आती है और सब सदस्यों को अवगत कराने के साथ जिम्मेदारी भी लगाती है। अपने फैसले सुनाने के बाद वह दूसरे सदस्यों से सुझाव मांगती है यह उसकी नेतृत्व कुशलता को दिखाता है। महिला सरपंच और पंचों के कार्य संभालने के साथ ही गाँव के विकास के लिए मिलने वाली और में भ्रष्टाचार और महिला सदस्यों के पतियों द्वारा कार्य किए जाने के कारण जो उनकी निषक्रियता थी उसे भी खत्म करने का बीड़ा महिला पंचायत ने उठाया और उसे अंजाम तक पहुंचाया। इसके साथ ही समाज का सबसे ज्वलंत मुद्दा महिलाओं के प्रति अपराध का है। गांव के बलात्कार जैसे मामलों को भाईचारे की दुहाई देकर दबा दिया जाता है वहीं सरपंच कहती है चाहे मेरा कोई मेरा सगा हो कड़ी सजा दो यह इस बात का प्रतीक है कि वह न्याय और समाज में शांति की कितनी बडी पक्षधर है। महिला सरपंच गांव के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवद्ध दिखाई देती है। तभी तो वह गांव में वह शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ साथ ग्रामीणों को रक्तदान, आधुनिक खेती बेटियों की शिक्षा के तमाम प्रबंधों के अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करती नजर आती है। एक तरह से वह अपने प्रयासों में सफल हो जाती है। गाँव के विकास के लिए अच्छे बजट का प्रावधान करवाली है और जो पहली पंचायत की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर मंत्री जी एक दिन गांव में आकर पूरा करने की मुहर लगाते हैं। इसके साथ हो एक लेखक एक बड़ा उदाहरण भी पेश करता है। जिस तरह पुरुष महिलाओं का दमन करते आएं हैं और उनको उनके राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कसे में बाधा बनते रहे हैं जब एक पंच कहती है कि अब हम उन पर राज करेंगे तो सरपंच का यह कहना कि नहीं औरत और मर्द एक गाड़ी के दो पहिये हैं तो यह उसकी विवेकशीलता को और दिखाता है कि उसके मन में पुरुषों की प्रति कुठा नहीं है। वह सबको साथ लेकर चलने का संदेश देती है। कुलमिलाकर लेखक अपने प्रयास और अपना संदेश समाज तक पहुंचाने में सफल रहता है।

खबर संक्षेप

शिविर में 161 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टरों की टीम ने 161 मरीजों को परामर्श देकर फ्री दवाईयां प्रदान की। डॉ एचआर यादव ने मेडिसिन, डॉ प्रशांत यादव ने हड्डीरोग, डॉ अभिनव राव ने सर्जरी, डॉ अजीत यादव ने बालरोग, डॉ अनिल यादव ने दंत रोग, डॉ सुमन यादव ने स्त्रीरोग व डॉ विदुला यादव ने नेत्ररोग के मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, अमर सिंह, गोकल राम, राम सिंह, प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव व बिक्रम ने सहयोग दिया।

बाबा श्यामजी का जागरण आयोजित

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल की ओर से बाबा श्यामजी का जागरण मोहल्ला फ्रांसखाना रामू हलवाई चौक के पास किया गया। पंडित शुभम शर्मा ने सुभाष चंद्र, राजेश सोनी, ज्ञानचंद सोनी, मोहन सोनी, विनोद, हर्ष सोनी से सपरिवार ज्योति प्रज्ज्वलित करवाई।

गांव बखापुर में गुर्जर समाज की पंचायत में दस से ज्यादा प्रस्ताव पास

सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश के लिए पंचायत में अहम फैसले

- फैसले को नहीं मानने वालों का होगा सामाजिक बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

गुर्जर समाज की ओर से सामाजिक परंपराओं के निर्वहन पर होने वाली फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए मुहिम शुरू कर दी है। समाज की ओर से रविवार को गांव बखापुर के देवी नारायण मंदिर में पंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के कई गांवों के लोग मौजूद थे। पंचायत में समाज में फैली कुरीतियों को लेकर सर्वसम्मति से कई मामलों में होने वाली फिजूल खर्ची पर रोक लगाने के प्रस्ताव पारित किए गए। पंचायत में निर्णय लिया गया कि निर्धारित किए गए फैसले नहीं मानने वालों के सुख-दुख में कोई भी शामिल नहीं होगा तथा उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। इससे पहले समाज की ओर से 22 फरवरी को कमालपुर-मुंडनवास व इब्राहिमपुर गांवों की पंचायत में फिजूल खर्ची रोकने से लेकर सामाजिक बुराइयों को भी दूर करने की दिशा में कदम उठाए गए। पंचायत की अध्यक्षता थावर सिंह छावड़ी ने की। पंचायत में निर्णय लिया गया कि खुशी के मौके पर डीजे पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। विवाह के समय भात की रस्म अदा करने के लिए गांव में आने वाली विवाहित बहन-बेटियों की संख्या 11 से ज्यादा नहीं होगी। दूसरे गांवों में भात न्योतने के लिए भी 11 से ज्यादा महिलाएं अपने मायके नहीं जाएंगी। अभी तकभात की रस्म अदा करने के लिए बड़ी संख्या में बहन-बेटियां आती हैं

रेवाड़ी। पंचायत में प्रस्ताव पढ़ते हुए एक वक्ता। फोटो हरिभूमि

रोका की रस्म में पांच लोग होंगे

पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बच्चा पैदा होने पर महिला के मायके पक्ष की ओर से पूरी की जाने वाली छूछक की रस्म पर रोक लगाई जाए। न तो छूछक लिया जाएगा और न ही दिया जाएगा। साथ ही लड़का होने पर छठी की रात को बर्तन बांटने की रस्म भी रोक रहेगी। लड़की या लड़के का रिश्ता करते समय रोका की रस्म में महज 5 लोग ही शामिल रहेंगे। शादियों में डाली वाली माला की राशि 5100 रुपये निर्धारित की गई है। गांव में शराब के ठेके पर प्रतिबंद्ध लगाने का निर्णय लिया गया है। पंचायत में यह भी निर्णय लिया गया है कि शादियों में किसी भी सूरत में शराब परोसने के लिए बार नहीं लगाई जाएगी।

फिजूलखर्ची पर लगेगा अंकुश

पंचायत में समाज हित में फैसले लिए जा रहे है। समाज में फैली कुरीतियों को खत्म करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा हैं। समाज के इन फैसलों से फिजूलखर्ची पर अंकुश लगेगा और परिवार पर अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा
-चरण सिंह खटाना, प्रधान, गुर्जर समाज।

रेवाड़ी। अजीत सिंह को स्मृति चिंह भेंट करते सेवा स्तंभ के सदस्य।

एलआईसी एओ अजीत की सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

- अधिकारियों ने अजीत सिंह के कार्य व्यवहार की प्रशंसा की

एलआईसी शाखा में कार्यरत अजीत सिंह एओ व सेवा स्तंभ जिला इकाई के वरिष्ठ उप प्रधान अपनी 35 साल 6 माह की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए।

उनकी सेवानिवृत्ति पर रेवाड़ी ब्रांच में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। स्टाफ सदस्यों ने अजीत सिंह को बुक्के, शाल व पगड़ी पहनाकर व उपहार भेंटकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने अजीत सिंह के कार्य व्यवहार व ईमानदारी की प्रशंसा की। विभाग की ओर से हनुमान सहाय मीणा मैनेजर एडमिन, संदीप कुमार, बिजेंद्र यादव, सतीश यादव, मुनीश कुमार, नरेंद्र राव, राकेश यादव, एलआईसी एजेंट तथा परिवार से पत्नी बबली बाई, डा. एमएल चौधरी, प्रोफेसर मंजीत, लिपाक्षी, प्रियंका चौधरी, लक्ष्यजीत, सौरभ, मोहित, राजन सिंह व विरेंद्र सिंह उपस्थित थे। परिवार की ओर से जाट धर्मशाला में भी विदाई पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें सेवा स्तंभ जिला इकाई की ओर से भी अजीत सिंह का स्मृति चिंह भेंट किए गए। इस अवसर पर भगत सिंह सांभरिया, कांशीराम खींची, एडवोकेट राजकुमार जलवा, आरपी सिंह दहिया, सूबे सिंह रेवाड़यिा, रामनिवास गोठवाल, मोनिका मेहरा, रेशम, संजय बाबू, धनपत सिंह सिंघल, होशियार सिंह अहरोदिया, रणबीर शास्त्री, राजेश सुलखा, जोगेंद्र सिंघल, रणजीत कालका व होशियार सिंह गार्ड उपस्थित थे।

इनेलो चलाएगी जनसम्पर्क अभियान : रणबीर मंदोला

नारनौल। बैठक में मौजूद इनेलो कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

नारनौल। इंडियन नेशनल लोकदल मार्च महीने में चारों विधानसभाओं में जनसम्पर्क अभियान चलाएगा। नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में जिला प्रभारी पूर्व विधायक रणबीर मंदोला ने कहा कि इसी महीने में पूरी जिला कार्यकारिणी हलके वाइज टीम बनाकर पार्टी की नीतियों को जन जन तक पंहुचाकर गांव गांव में जनसम्पर्क अभियान चलाया जाएगी। जनसम्पर्क अभियान चलाकर नए लोगों को पार्टी से जोड़ने के साथ साथ युवाओं पर विशेष ध्यान देकर पार्टी से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी कारण पार्टी छोड़कर गए पुराने कार्यकर्ताओं से सम्पर्क कर वापस पार्टी में लाने का आग्रह किया, क्योंकि उन सभी का मन व विचार इनेलो की विचारधारा साथ जुड़ा रहा है।

शिविर में सौ लोगों ने करवाई दांतों की जांच

रेवाड़ी। कैंप का निरीक्षण करते विधायक डॉ. कृष्ण कुमार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

गांव अलावलपुर में रविवार को निःशुल्क डेंटल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें करबी 100 लोगों ने अपने दांतों की जांच कराई। मुख्य अतिथि बावल विधायक डॉ कृष्ण कुमार ने कैंप का शुभारंभ किया और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर डॉक्टरों से बातचीत की। इसके बाद विधायक ने लोक निर्माण विश्रामग्रह में लोगों की समस्याएं भी सुनी। उन्होंने कहा कि ओलावृष्टि से खराब फसल का सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को रेलवे रोड के पुल की स्ट्रीट लाइटें चालू करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर समाजसेवी अनिल रायपुर, डॉ नवोदिता, ईशान, पवन सैनी व नरसी प्रकाश सहित अनेक लोग मौजूद थे।

गोपाल गोशाला में लगाई गोवंश के लिए सवामणी

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाते हुए।

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में गो पूजन कर सवामणी का आयोजन किया गया। संस्था के संजय अग्रवाल ने बताया कि हिंदू धर्म में गाय को मां के समान माना गया है। जिनकी सेवा करने से व्यक्ति को सुख समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार गाय के शरीर में तीनों लोक के देवी देवता निवास करते हैं। यही कारण है कि भगवान श्रीकृष्ण को गाय से बहुत ज्यादा लगाव था। जिस स्थान पर गाय रहती है, वहां नकारात्मक ऊर्जा फटक भी नहीं पाती है और उस स्थान के सभी दोष दूर हो जाते हैं। सनातन परंपरा में गाय से जुड़ी चीजें जैसे दूध, दही, घी, गोमूत्र, गोबर आदि का पूजा के लिए प्रयोग अत्यंत ही शुभ माना गया है।

मेघवाल समाज के बने जाति प्रमाण-पत्र

- मेघवाल जागृति मंच की गांव बासदुदा में बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुंड

मेघवाल जागृति मंच की ओर से रविवार को खोल ब्लॉक के गांव बासदुदा में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भान सिंह फोरमैन खोरी ने की। इस अवसर पर मंच के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने कहा की मेघवाल समाज में काफी जागरूकता आ रही है। संरक्षक वेदप्रकाश मेघवाल ने अनुसूचित के लोगों से मेघवाल शब्द को अपनाने की अपील की। शिक्षाविद अशोक मेघवाल ने सभी अनुसूचित जातीय चौपालों में हरिजन चौपाल की जगह मेघवाल चौपाल का नामकरण करने की मांग की। बैठक में निर्णय लिया गया कि खोल ब्लॉक में सभी गांवों का दौरा कर जल्द ही ब्लॉक स्तरीय मेघवाल महासम्मलेन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष सूरजभान, सुंदरलाल भटेडिया, कोषाध्यक्ष बलबीर प्राणपुरा, रविंद्र पूर्व सरपंच रायपुर, चित्रकुमार सभरवाल, सतीश, हवा सिंह अहरोदिया, हरिसिंह सरपंच, कैलाशचंद, बिजेंद्र अभिषेक, राकेश, लता पंच, राकेश अहरोदिया, आदि लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। बैठक में समाज के लोगों को संबोधित करते पदाधिकारी।

चार ससुरालजनों सहित छह पर दहेज प्रताड़ना और मारपीट का केस दर्ज

- कोसली गांव की विवाहिता की शिकायत पर मामला दर्ज
- सात माह पहले विवाहिता के साथ मारपीट करने तथा घर से बाहर निकालने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

कोसली गांव की एक विवाहिता ने महेंद्रगढ़ जिले के गांव गुवानी बाछौद निवासी अपने पति सहित चार ससुरालीजनों व दो अन्य पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एसपी के माध्यम से कोसली थाने में अभियोग दर्ज कराया है। विवाहिता ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 4 वर्ष पहले बाछौद गांव निवासी कुलदीप से हुआ था।

विवाह में उसके माता पिता ने अपनी हैसियत से अधिक दान दहेज भी दिया था। विवाह के बाद से ही पति कुलदीप, ससुर कैलाश, सास मेवा व ननंद दीपक उसके साथ मार पिटाई करने लगे। उसके पिता व अन्य मौजिज व्यक्तियों ने कई बार पंचायत में उसके ससुराल पक्ष को समझाया, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने पुनः उसके साथ मार पिटाई करना और दहेज लाने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया।

विवाहिता ने पति के किसी अन्य लड़की से संबंध का आरोप भी लगाया है। विवाहिता ने पति की बुआ के लड़के सचिन पर फोन कर अभद्र गालियां व जान से मारने की धमकी देने तथा बिचौलिया रामनिवास पर भी जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने सात माह पहले उसके साथ मारपीट की तथा घर से बाहर निकाल दिया। उसके बाद से वह अपने मायके में रह रही है। इस संबंध में उसने कोसली थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी थी, लेकिन उस पर पुलिस ने कोई कदम नहीं उठाया। कोसली पुलिस ने मीडिएशन सैल से काउंसलिंग कराने के बाद रविवार को आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

बीएमजी सिटी में पार्किंग का विरोध

- अंतरिक्ष टावर सोसायटी के निवासियों ने विधायक लक्ष्मण सिंह यादव को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

गढ़ी बोलनी रोड स्थित बीएमजी सिटी की अंतरिक्ष टावर सोसायटी के निवासियों ने विधायक लक्ष्मण सिंह यादव को ज्ञापन सौंपकर सोसायटी परिसर में प्राइवेट संचालक को पार्किंग का ठेका दिए जाने पर विरोध जताते हुए समस्या के समाधान की मांग की है। सोसायटी के निवासियों ने बताया कि अंतरिक्ष टावर के अंदर किसी व्यक्ति को प्राइवेट पार्किंग का ठेका दे दिया है।

इसके चलते सोसायटी में रहने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पार्किंग का ठेका लेने वाले व्यक्ति ने बेरिकेट्स लगाकर अपनी मनमर्जी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं इस प्रकार की पार्किंग में बहुत से गलत कार्य भी होते हैं,

जिसके चलते यहां रहने वाले लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर डीसी व एसपी को भी अवगत करा दिया गया है। इस मौके पर संदीप सिंह, गुरदयाल सिंह, अरविंद कुमार, राजीव कुमार, दिनेश कमार, एसपी यादव, देशराज चौधरी, अनिल कमार, यादराम यादव व जसवंत सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। विधायक को ज्ञापन सौंपते अंतरिक्ष टावर निवासी। *फोटो हरिभूमि*

गाड़ी से डिस्प्ले चोरी के दो और आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

- एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रोहड़ाई पुलिस ने गत वर्ष 23 अक्टूबर को गुरावड़ा में तेल पाइप लाइन के पास खड़ी गाड़ी से डिस्पले चोरी करने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को पुलिस दिल्ली से पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस शिकायत में यूपी के रसावली निवासी राजसिंह ने बताया था कि वह एक कंपनी में कार्यरत है। 23 अक्टूबर को वह गुरावड़ा में तेल पाइप लाइन पर कार्य कर रहा था। इसी दौरान साइट के पास खड़ी गाड़ी से एक साउंड डिस्पले चोरी हो गया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में पुलिस ने दिल्ली के मंगोलपुरी निवासी राहुल उर्फ मोनू व झज्जर के किरमान दुबलधन निवासी साहिल को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में दो आरोपी।

आयोजन विजय एकता मंच के रक्तदान शिविर में 43 यूनिट रक्त एकत्रित

कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर 90 दिन में कर सकता है रक्तदान : विजय

एक यूनिट रक्त तीन लोगों की बचा सकता है जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नाहड़

गांव कोलाना में विजय एकता मंच की ओर से राष्ट्रीय कैंसर संस्थान एम्स बाढ़सा के सहयोग से 9वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 43 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। विजय एकता मंच अब तक कुल 575 यूनिट रक्त जरूरतमंदों को उपलब्ध करा चुका है। रक्तदान शिविर का उद्घाटन मंच के सचिव एवं संस्थापक सदस्य रघुबीर सिंह ने किया, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी विजय गुड़यिानी ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है और यह हमारी सेवा और सहयोग की समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। तकनीकी प्रगति के बावजूद, रक्त का कोई विकल्प नहीं है और एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है। उन्होंने बताया कि भारत में हर दो सैकेंड में एक व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता होती है और हर तीन में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में रक्त की आवश्यकता पड़ती है। भारत की वार्षिक रक्त आवश्यकता 1.5 करोड़ यूनिट है, जिसे पूरा करने के लिए सभी को स्वैच्छिक रक्तदान अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

समाजसेवी विजय गुड़यिानी ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति हर 90 दिन में रक्तदान कर सकता है। शरीर रक्त की कमी को तेजी से पूरा कर लेता है। प्लाज्मा 24 से 48 घंटों में, लाल रक्त कोशिकाएं 3 सप्ताह और प्लेटलेट्स कुछ ही मिनटों में पुनः प्राप्त हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नियमित गैर-पारिश्रमिक स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर डा. विपिन यादव, डा. बिल्लू, उमेश यादव, सुशील कुमार, मनोज शास्त्री पूर्व सरपंच, राहुल पंच व नरेंद्र प्रधान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रेवाड़ी। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र भेंट करते आयोजक। *फोटो: हरिभूमि*

बावल से श्रद्धालुओं का दल खाटूधाम रवाना

रेवाड़ी। खाटूधाम के लिए रवाना होते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

- चार से 11 मार्च तक भंडारे का किया जाएगा आयोजन

श्याम सेवा समिति बावल की ओर से रविवार को खाटू श्याम के लिए श्याम भक्तों का एक दल रवाना किया गया। समिति सदस्य सुमेर ने बताया कि समिति की ओर से 25 वर्षो से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे व ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। प्रधान अशोक कुमार ने बताया कि समिति की ओर से 4 मार्च से 11 मार्च तक भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दलीप कुमार, सूरजमल, राजसिंह, भागमल, राजबीर व उदयराम आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना पुलिस ने फरीदाबाद से चोरी की गई बाइक के साथ एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान जिला नूंह के गांव सिंगार निवासी सैकुल खान के रूप में हुई है। गत 1 मार्च को सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना की राइडर नंबर 21 पर तैनात सिपाही तिलकराज ने भगत सिंह चौक पर एक बाइक को रुकवा कर चैक किया तो चालक सैकुल खान निवासी गांव सिंगार जिला नूंह बाइक के कोई कागजात नहीं पेश कर सका। बाइक के इंजन व चेचिस नंबर सेजांच में पाया गया कि इस बाइक बाइक की चोरी का मामला थाना कोतवाली फरीदाबाद में दर्ज है। पुलिस ने आरोपी को बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

कैंटर की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

रेवाड़ी। दिल्ली रोड पर एक कंपनी के पास कैंटर की टक्कर लगने से स्कूटी सवार घायल हो गया। बालियर खुर्द निवासी बीए का छात्र हरकेश स्कूटी लेकर ट्यूशन के बाद अपने गांव जा रहा था। गुप्ता मेटल कंपनी के पास एक कैंटर ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया। चालक कैंटर मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कैंटर चालक की तलाश शुरू कर दी।

विद्यार्थियों के लिए करियर सेमिनार हुआ आयोजित

बावल। सरवन इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को करियर सेमिनार का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अतुल कुमार ने मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट भीष्म पाल यादव, जेपी चौहान, सीए जीतेश अग्रवाल, सीए जतिन सैनी व डा. दीपक जैन को पौधा भेंट कर सम्मान किया। सभी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को भविष्य की योजनाओं से अवगत बताया। उन्होंने बताया कि भविष्य में कला संकाय, विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय लेकर सभी क्षेत्र में अपना करियर बनाने की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य निर्धारित करने के साथ-साथ मेहनत और लगन बहुत महत्वपूर्ण होती है। किसी भी कार्य को करने के लिए हमारा लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए।

गायकों ने मनमोहक भजनों से किया बाबा का गुणगान

किसान भवन में हुआ श्री श्याम बाबा के फाल्गुन महोत्सव का भव्य आयोजन

'श्याम बाबा को श्रृंगार मन भावे, खाटूवाले को दरबार मन भावे, दुनिया का नजारा के देखा'....

रेवाड़ी। श्याम बाबा के जागरण में भजन गाते हुए गायक कन्हैया मित्तल, संजू शर्मा, संजीव शर्मा, संजय शर्मा, श्याम बाबा के जागरण में भजनों पर थिरकते श्याम प्रेमी तथा श्याम बाबा के जागरण में उड़ता गुलाल व डांस करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से नई अनाजमंडी स्थित किसान भवन में शनिवार रात्रि को श्री श्याम बाबा के फाल्गुन महोत्सव का धूमधाम से आयोजन किया गया। जागरण में हुड़िया जैतपुर धाम से आई श्री श्याम बाबा की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार किया गया।

वार्षिक फाल्गुन महोत्सव में श्री श्याम बाबा की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार किया गया। जागरण में बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर रोहतक के महंत व तिजारा के विधायक बाबा बालकनाथ का सानिध्य रहा जबकि मुख्यातिथि रामा देवी गोयल डिनको परिवार रही। इसके अलावा मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी अभिमन्यु सिंह, नगर पार्षद राजेन्द्र सिंहल व अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पिस्ता अग्रवाल धर्मपत्नी स्व.परसराम अग्रवाल, बृजलाल गोयल कोसली वाले, प्रदीप बोहरा उप चेयरमैन ब्लॉक समिति व एडवोकेट धीरज यादव ने शिरकत की। जागरण में बाबा की ज्योत आरडीएस गर्ल्स कॉलेज के प्रधान मुकेश भट्टेवाले ने प्रज्जवलित की तथा रामकिशन भालखी वाले, विनयशील गोयल कोसली वाले, डॉ. पवन गुप्ता, हरिओम यादव व भगवान दास सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल थे। सर्वप्रथम गोकलगढ़ से भजन गायक संजय शर्मा ने मंच संचालन करने हुए गणेश व हनुमान वंदना से जागरण का शुभारंभ किया। गायक संजय शर्मा ने ' मेरी जीवन की गाड़ी श्याम चलाता है, अब क्यूं घबराऊं मै मेरा तो श्याम से नाता है'... सहित अनेक भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया।

श्याम महोत्सव में यह रहे मौजूद

जागरण में चरत अग्रवाल, रवि भट्टेवाले, रितेश बंसल, राजुल, अमित गुप्ता, अनिल मखीजा, महेश गोयल, मनीष सचदेवा, राजेश अग्रवाल, अचल गुप्ता, अनिल गुप्ता, नवीन भारद्वाज, दीपेश भार्गव, नरेश मित्तल, विनयशील गोयल, अमित अग्रवाल, रिपुदमन गुप्ता, नंदिनी, आरती जैन, शालू, संजय सहगल, मनीष सहगल, संजय गोयल, पलक अग्रवाल, अजय मित्तल, रजनी अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, हिना, अंजू, कविता, शीतल, भारती, शालू व सपना सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे।

जागरण में सुबह तक चला भजनों का दौर

जागरण में चंडीगढ़ से कन्हैया मित्तल ने अनेक मनमोहक भजनों से श्रद्धालुओं को आनंदित किया। गायक मित्तल ने 'हारा हूं बाबा बस तुझपे भरोसा है, जीतूंगा एक दिन मेरा दिल ये कहता है' व 'मेरी बिगड़ी बनाने वाला, मेरी किस्मत जगाने वाला, मेरे दिल की सुनने वाला मेरा श्याम है' व 'आ गया मैं दुनियादारी, सारी बाबा छोड़ के, लेने आजा खाटूवाले रींगस से उस मोड पे'... सहित अनेक मनमोहक भजन सुनाएं। इसके बाद कोलकाता से गायक संजू शर्मा 'श्याम बाबा को श्रृंगार मन भावे, खाटूवाले को दरबार मन भावे, दुनियां का नजारा के देखा' व 'देखो म्हारो श्याम कैसो जच रहयो है, सिंहासन पे बैठो-बैठो हंस रहयो है', व 'तेरे दर पे आके मुझे क्या मिला है,ये मैं जानता हूं या तू जानता है, जमाने की चलगत बड़ी बेतुकी है, जिधर देखता हूं मैं उधर सब दुखी है' सरीखे अनेक भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। सोनभद्रा से संजीव शर्मा ने 'बैठा जो खाटू में उससे कहना है, धारा में तेरी ही हमको बहना है, सारी उमर तेरे संग रहना है'.. ,'दिलदार कन्हैया ने मुझको अपनाया है, रस्ते से उठा करके सीने से लगाया है' तथा 'शायद मेरे बाबा को ख्याल मेरा आया है, इसीलिए मिलने को मुझे खाटू में बुलाया है' जैसे अनेक भजन सुनाए। जागरण में फाल्गुन के माह में होली के भजनों पर श्रद्धालु रंग-गुलाल उड़ाते हुए नांचते-थिरकते नजर आए। जागरण में देर रात तक बाबा का भंडारा भी चलता रहा। रविवार सुबह बाबा की भव्य आरती करके प्रसाद वितरित किया गया। श्याम श्रृंगार सेवा गुरप के सदस्यों ने अतिथियों व जागरण में सेवा देने वाले श्याम भक्तों को सम्मानित भी किया।

फाल्गुन माह में श्री श्याम बाबा की वंदना का कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते अतिथि व आयोजक। फोटो :हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में फाल्गुन माह में श्री श्याम बाबा की वंदना का कार्यक्रम 'मेरे शीश के दानी का सारे जग मे डंका बाजे' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली, शिक्षाविद प्रो सीएल सोनी, समाजसेवी आदर्श राजपाल व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि महात्मा बर्बरीक की बालपन से ही प्रभु भक्ति में विशेष रूचि थी। उनकी दादी हिडिंबा ने बताया कि स्वयं प्रभु के हाथों जिनका उद्धार हो उन्हें उत्तम गति प्रदान होती है। उन्होंने कठोर तपस्या कर अनेकों शक्तिशाली अस्त्र-शस्त्र प्राप्त किए। उनकी अपरिमित शक्ति को देखकर स्वयं भगवान श्रीकृष्ण को उनके पास आना पड़ा। भगवान श्री कृष्ण ने धर्म की जीत का मार्ग प्रशस्त करने के लिए महात्मा बर्बरीक से उनके शीश का दान मांगा। महात्मा बर्बरीक ने हंसते-हंसते अपना शीश प्रभु चरणों में रख दिया। भगवान श्री कृष्ण ने उन्हें वरदान दिया कि कलयुग में जो भी भक्त आपके द्वार पर आएगा उसकी सभी मुरादे पूरी होगी। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव व शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल ने सभी को हमारा परिवार संस्था के रविवार कार्यक्रम के 7 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। महिला प्रधान निशा सीकरी, महिला संयोजक शशि जुनेजा व शिक्षाविद मधु गुप्ता ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे। सभी ने श्याम बाबा के भजनों पर नृत्य किया। हेल्थ एंड वेलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को एरोबिक्स का अभ्यास कराया। पूर्वांशी, ओजस्वी, तन्वी व माहिरा ने श्री श्याम का सुंदर भजन सुनाया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी जतिन अरनेजा, भाजपा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष डा. सौरभ यादव, समाजसेवी राजेंद्र गेरा व सफाई योद्धा त्रिभुवन भटनागर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, सुनीता आर्य, कपिल कपूर, प्रीति, सोनिया कपूर व सुदर्शन मेहंदीरत्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

कानूनी अधिकारों के प्रति जागरुक करेगी मोबाइल वैन

सीजेएम अमित वर्मा ने वैन को हरी झंड़ी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। वैन को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना करते सीजेएम अमित वर्मा। फोटो : हरिभूमि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित वर्मा ने रविवार को हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से भेजी गई मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वैन के माध्यम से गांव-गांव जाकर कानूनी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और ग्रामवासियों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों व निःशुल्क सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि यह वैन एक माह के लिए रेवाड़ी जिले में कानूनी जागरूकता अभियान का हिस्सा रहेगी, जिसमें जिले के सभी गांवों को कवर किया जाएगा। रविवार को गांव मायण व खालेटा में जागरूकता कैंप आयोजित किए गए, जिसमें एडवोकेट निशा रानी व प्रदीप कुमार पैरालीगल वॉलिंटियर ने ग्रामीणों को कानूनी जानकारी दी।

यहां आयोजित होंगे जागरूकता शिविर : आगामी दिनों में वैन गांव फिदेड़ी, मांढिया कलां, प्राणपुरा, नांगल तेजू, कोनसीवास, खिजूरी, आराम नगर, धारण, नारायणपुर, ठोठवाल, ढोकिया, नैनसुखपुरा, बीकानेर, गोकलगढ़, रामपुरा, जाटूवास, भांडोर, बधराना, रोहड़ाई, मस्तापुर, लिसाना, गंगायचा अहीर, बोड़यिा कमालपुर, बेरली खुर्द, तुर्किवास, मीरपुर, मसानी, जोनावास, हांसाका, माजरा श्योराज, नारायणपुर, हुसैनपुर, बूढ़पुर, कालूवास, जैतपुर, खलीलपुरी, बिठवाना व ढालियावास में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता एवं स्वयं विधिक सेवक आमजन को मुफ्त कानूनी सहायता, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, शिक्षा का हक-नई राह नई पहचान, प्लास्टिक के दुष्प्रभावों व इसकी रोकथाम के उपायों की जानकारी देंगे। सीजेएम ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रत्येक महीने एक स्पेशल कैंपेन का आयोजन करता है। मार्च महीने में शिक्षा का हक-नई राह नई पहचान नाम से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें किसी कारणवश स्कूल छोड़ चुके या स्कूल नहीं जा पाए सभी बच्चों को स्कूलों में भेजा जाएगा।

देर रात तक किसान भवन में बज रहा था डीजे आयोजक सहित दो के खिलाफ केस दर्ज

रेवाड़ी। किसान भवन में देर रात डीजे बजाने व बंद कराने के लिए गई पुलिस को धमकाने के आरोप में मॉडल टाउन थाना पुलिस ने आयोजक सहित दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने डीजे को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार रात को सूचना मिली थी किसान भवन में लगे टैंट में तेज आवाज में डीजे बज रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आयोजक राजन अग्रवाल को बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे बजाना प्रतिबंधित है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

कोसली से श्याम भक्तों का जत्था निशान लेकर खाटूधाम के लिए रवाना

रेवाड़ी। कोसली से खाटूधाम के लिए रवाना होते हुए श्रद्धालुओं का जत्था। फोटो : हरिभूमि

कोसली। कोसली रेलवे स्टेशन क्षेत्र से रविवार को खाटू श्याम मेले में भाग लेने के लिए 51 महिला व पुरुष श्रद्धालुओं का एक जत्था श्रीश्याम मंदिर से रवाना हुआ। श्री श्याम सेवा मंडल के प्रधान भोलाराम सिंगला ने झंडी दिखाकर जत्थे को रवाना किया। कोसली क्षेत्र से प्रति वर्ष सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु हाथों में निशान लेकर पैदल खाटू श्याम की यात्रा करते हैं। कोसली में सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की ओर से खाटूधाम के लिए निशान लेकर पैदल यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सेवा शिविर भी लगाए जाते हैं। कोसली रोड व नाहड़ रोड पर तीन सेवा शिविर लगाए गए हैं, जहां यात्रियों के लिए विश्राम व भोजन की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर यात्रा के संयोजक सुनील शर्मा, प्रमोद गर्ग, प्रवीन, संजय, रामभगत, शंकर गर्ग, शुभम मंगल, सचिन, श्याम सेवा मंडल से ईश्वर गर्ग, मोनू बंसल, सतीश, पंकज गुप्ता व तेजपाल गर्ग सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

किसानों को किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान नहीं होने देगी सरकारः अनिल

नाहड़। विधायक अनिल यादव ने रविवार को कोसली विधानसभा के गांव ऊंचा, बोहका व ढाणी जरावत में ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का जायजा लिया। इस मौके पर विधायक अनिल ने कहा कि क्षेत्र में ओलावृष्टि से प्रभावित हुई फसलों की शीघ्र ही गिरदावरी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी इस बारे में उपायुक्त से रिपोर्ट भी मांगी है। विधायक ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों को किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान नहीं होने देगी। गेहूं और सरसों की फसल की ओलावृष्टि से जितनी क्षति हुई है, उसकी पूर्ति किए जाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने किसानों को विश्वास दिलाया कि सरकार पूरी तरह से उनके साथ है।

रेवाड़ी। एक गांव में सरसों की फसल का जायजा लेते विधायक अनिल यादव। फोटो : हरिभूमि

प्राइवेट स्कूल से कैश चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कसोला

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में नकदी चोरी के आरोपी।

कसोला थाना पुलिस ने गांव जलालपुर स्थित एक प्राइवेट स्कूल से नकदी चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजस्थान के जिला अलवर के गांव नांगल उड़यि निवासी भीमसिंह, जिला महेंद्रगढ़ के गांव ढाणी कोजिंदा निवासी दयाराम व यूपी के जिला हापुड़ के गांव शाहपुर चौधरी निवासी शायद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 130500 रुपये की नकदी भी बरामद की है। गांव जलालपुर निवासी नितिन चौहान ने शिकायत में बताया था कि गत 27 फरवरी को उसके पिता ने स्कूलल के ऑफिस में 3 लाख 25 हजार रुपए रखे थे। रात्रि के समय कोई मेज की दराज का लॉक तोड़कर नकदी चोरी करके ले गया। पुलिस ने मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया है।

भूमिहीन मजदूरों को मुआवजा देने की मांग

नारनौल। सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन के प्रधान कामरेड सुभाषचंद्र एडवोकेट ने कहा कि दो दिन पूर्व हरियाणा में हुई बारिश व ओलावृष्टि के कारण सरसों, गेहूं व सब्जियों में काफी नुकसान हो गया। जिसके कारण भूमिहीन मजदूरों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि ओलावृष्टि के कारण फसल व सब्जी की खेती खराब होने के कारण मजदूरी नहीं मिलेगी। जिस वजह से भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक नुकसान होगा। जिसके कारण मजदूरों अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई व विवाह में परेशानी उठानी पड़ेगी। इसलिए स्पेशल गिरदावरी करवाकर भूमिहीन मजदूर परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

समारोह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जिलास्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिता व विज्ञान प्रदर्शनी के विजेता प्रतिभागी हुए सम्मानित

प्राचार्य मनोज कुमार ने कहा कि स्पेल बी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन, लेखन व कल्पना शक्ति को विकसित करना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

प्राचार्य मनोज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जिला स्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तथा विज्ञान प्रदर्शनी में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि स्पेल बी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन, लेखन व कल्पना शक्ति को विकसित करना है। अध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जिला स्तरीय स्पेल बी की सीनियर वर्ग कहानी लेखन में सुकन्या को प्रथम, कविता लेखन में यशिका को द्वितीय तथा जूनियर वर्ग कहानी लेखन में तरुण को तृतीय स्थान हासिल करने पर पुरस्कार प्रदान किए गए।

साथ ही जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में चेतन को प्रथम, सुकन्या व मोनिका को द्वितीय स्थान हासिल करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रवक्ता सोमबीर यादव, नीतू कुमारी, संजू यादव, डा. सुविधा यादव, अनिता रोहिल्ला, मीनाक्षी चुग, पूनम देवी, अध्यापक रविंद्र कुमार सैनी, मुकेश कुमार, राजेश कुमार, हरिता शर्मा, मंजूलता, प्रिया देवी व पूनम देवी तथा स्कूल के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।